

लोकांश्च देवांश्च शक्रं च मरुतो भयात् MBh. 3,8762. BHATT. 3,16. कित्त्व-
यात् R. 2,106,28 (113,22 GORR.). विघ्नतः RAGH. 11, 24. व्यसनतः BHĀG.
P. 1,13,32. सर्वतो रन्ते यो माम् HARIV. 7115. BHĀG. P. 8,22,35. परद्र-
व्यात्मनो रत्न परदारान् HARIV. 14687. दृवमात्मा बन्धैश्च रन्त्यते MĀRK. P.
95,17. वसुधाम्, नितितम्, द्दाम् *das Land* —, *das Reich beschützen* so v.
a. *regiren* MBh. 3, 2238. RĀGA-TAR. 1,99. 192. 3,97. 6,190. राष्ट्रम् Spr.
4803. ज्ञास्यसि कियद्दुजो मे रन्तीति ÇĀK. 13. सूत्राति, रन्ति, संकरति
NRS. TĀP. Up. in Ind. St. 9,98. रन्ती जीवितं पितुः MBh. 1,6186. R. 6,
3,1. रन्स्व जीवितम् 16,59. अग्नि पुत्रकलत्रैर्वा प्राणावन्नेत पण्डितः Spr.
149. 1319. कराभ्यामनिष्ठी रन्न् RĀGA-TAR. 3, 408. नागानां चापि यज्ञो
जयं रन्त्यते हि मरुर्षिभिः R. GORR. 1,41,12. BHATT. 2, 27. घ्रापदर्थं धनं
रन्ते Spr. 335. लब्धं रन्तेद्वेनया 234. 233. राव्यम् R. 2,23, 29. 31, 20
(mod.), 73,12. 112,11. यथोद्धरति निर्दाता कर्त्तं धान्यं च रन्ति Spr. 4803.
2719. KĀURAP. 35. रन्तेद्विवरमात्मनः Spr. 1569. सेवधिस्ते ऽस्मि रन्त माम्
M. 2,114. MBh. 1,5573. RĀGA-TAR. 2,97. शेषं कस्यापि रन्तसि Spr. 2384.
मुनिहितमपि चार्यं दैवते रन्त्यमाणम् 3010. 3234. रन्त्यं चिरन्तितम् *be-*
wahrt KATHĀS. 45,50. भवानिमो प्रतिकृतिं रन्तु *verwahre* ÇĀK. 90,2. अ-
पि रन्त्यते भवता रन्त्यनिनेपः VIKR. 18,6. एताधुरणकौ — न्यासौ रन्स्व
BhĀG. P. 9,14,21. RĀGA-TAR. 5,220. कुलं मानं च रन्ता MRĀKH. 174,18.
धर्मं स्वं रन्तमाणं MBu. 3,8886. धर्मो वा यदि रन्त्यते R. 5,84,15. BhĀG.
P. 3,16,18. स्वां प्रसूतिं चरित्रं च कुलमात्मानमेव च। स्वं च धर्मं प्रयत्नेन
ज्ञायो रन्ति रन्ति ॥ M. 9,7. शीलमेवैकं रन्त KATHĀS. 13,135. स्वा-
कारं रन्न् PANKĀT. 23,11. तस्याबन्ध्यप्रसादत्वं रन्तः पितृमन्त्रिणः RĀGA-
TAR. 1,78. स्रध्ग्यतो अर्निमिषं रन्तमाणाः *sorgfältig achtend auf* RV. 7,61,
3, 9,87, 2, 1, 146, 4. व्रतानि 6,8,2. 3, 56,13. सखा सव्युर्निमिषि (mit
loc.) रन्तमाणाः 1,72,5. तद्धतिम् — पुण्यतीर्थगमनाय रन्त मे so v. a. *sichre*
mir RAGH. 11,87. रन्ति भावि कल्याणं भाग्यान्वेष्य KATHĀS. 20,19. रन्-
न्तस्तपसि वलं च लोकपालाः Kir. 3, 50. *in Acht nehmen* so v. a. *nicht*
antasten: या व्याघ्रं विपूचिकेभिः वृकं च रन्ति VS. 19,10. *sich hüten*
vor, verhüten: तस्मिन्नेत्रस्य लङ्गनम् । एकस्य रन्तेः KATHĀS. 20,65. मृत्युः
शक्यो न रन्तितुम् 72,333. पिशुनप्रेरणा प्रभोः रन्तितुं यदि पार्यति Spr. 4183.
med. *sich hüten* d. h. *sich flüchten*: उद्पुतो न वयो रन्तमाणाः RV. 10,68,
1. vielleicht *verstecken*: रन्ति शिरः 9,68,4. — partic. रन्ति (वर्तमाने)
KĀR. zu P. 3,2,188. = त्रात u. s. w. AK. 3,2, 55. H. 1497. *geschützt,*
bewacht, bewahrt, erhalten; von Personen M. 11,23. MBh. 3,529. Spr.
2909. रन्ति व्यसनेभ्यश्च मित्रम् 383. *gehütet*: स्त्री M. 9,15. Spr. 3303.
धुर्यरन्ति श्रीः KATHĀS. 18,137. उर्वी RAGH. 2,66. कन्यातःपुरे रन्तापुरु-
परन्ति PANKĀT. 44,12. देवरन्ति (Gegens. दैवकृत) Spr. 208. लब्धं रन्ते-
त्प्रयत्नतः । रन्ति वर्धयित् 233. fgg. तान् (प्राणान्) निघ्नता किं न कृतं र-
न्ता किं न रन्तितम् 1319. तिलगुल्मं सदा सिद्धेद्यावत्पुष्येद्धि रन्तिः *ge-*
hütet, gepflegt HARIV. 7874. *verwahrt* VET. in LA. (III) 14,3. Htt. 86,18.
गोरन्ति *aufbewahrt für* P. 2,1,36. रन्तितम् adv. *wohl verwahrt* KATHĀS.
33,64. धर्मं *beobachtet, aufrechterhalten* Spr. 4247. MĀRK. P. 72, 2. 4.
अरन्ति *ungehütet* M. 9,12. Spr. 5285. अरन्ति तिष्ठति दैवरन्तितम् 208.
मन्त्रं *nicht geheim gehalten* 199. मुरन्ति *wohl gehütet, gut bewacht* M.
9,12. KATHĀS. 30,113. वेष्मन् MBu. 3,2144. 2155. मुरन्ति दैवकृतं विन-
श्यति 208. न्यासमिव राव्यं मुरन्तितम् RĀGA-TAR. 2,159. मन्त्रं मुरन्तितम्।
कुर्यात् *er stelle die Berathung sehr geheim an* Spr. 4692. Vgl. देवर-

न्ति. बुद्धं, मरुं, मैत्रेयं.

— caus. रन्त्यति, अरन्तु P. 7,4,93, Sch. *schützen*: को ऽस्मान् वने
रन्त्यिष्यति PANKĀT. 70,13. *bewahren*: स्वाकारं रन्त्येद्यस्तु स भृत्या ऽर्द्धो
महीभुजाम् Spr. 1367.

— desid. रिरन्तिपति *zu beschützen beabsichtigen vor* (abl.): रिरन्तिप-
त्तः MBh. 5, 2368. 6,3760 (रिरं ^o zu lesen). 4695.

— intens.: रन्ता षो अग्ने तव रन्तेषी रान्ताणाः सुमख प्रीणानः *der*
fleissig gehütet —, *beobachtet wird* RV. 4,3,14. *fleissig hütend* ŚĀS.

— अधि *bewachen, behüten*: त्रैलोको यो ऽधिरन्ति HARIV. 13811. *bes-*
ser यो हि रन्ति *die neuere* Ausg.

— अनु *hütend nachgehen* ÇĀKH. ÇR. 16, 10, 11. के पृष्ठतो ऽन्वरन्त
(पृष्ठतश्चाप्यभवन् ed. Bomb.) MBu. 7, 7330. *behüten, beschützen*; med.
R. 6,103,2.

— अग्नि *bewahren, behüten, beschützen* RV. 1, 136. 5. 163, 5. 4, 53, 5.

यमादित्या अग्नि हुक्ते रन्त्य 8,47,1. 9,114,3. 10,86,4. 137,4. AV. 10,6,
12, 7, 23. 12,3,11. पितेर्व पुत्रान्भि रन्तादिमम् 2,13,1. 3,12,8. ÇAT. BR.
2,3,4,40. ĀÇV. ÇU. 2,3,2. 12. KĀUC. 135. KRĀND. UP. 4, 17, 10. भीष्ममे-

वाभिरन्तु BHAG. 1, 11. दण्डः शास्ति प्रजाः सर्वा दण्ड एवाभिरन्ति Spr.
4162. 4920. MBh. 4,1535. 5,711. 6,543. HARIV. 2471. 7115. R. 2,25,3.

fgg. धात्रो स्वपुत्रवत्स्कन्दं प्रूलकृस्ताभ्यरन्त MBu. 3,14365. 6,544. 13,
2265. उपर्यतःपुरे सा (कन्यका) च रन्तमित्यभिरन्त्यते KATHĀS. 3, 58. 78,
131. वलं भीष्माभिरन्तितम् so v. a. *befiehlt* BHAG. 1,10. MBu. 4, 425. R.

2,2,4. 25,6. 32,77. R. GORR. 1,35,30. 2,27,24. 5,43,4. 73,34. अर्धमा-
द्वभिरन्त माम् MBu. 7. 2081. एवं बहुभ्यः शत्रुभ्यः प्रज्ञयात्माभिरन्तिः

KATHĀS. 33,130. BhĀG. P. 4, 18, 24. तभ्यः स्त्रियो ऽभिरन्त्याः VARĀH. BRH.
S. 78,10. येन वीरः कुरुनेत्रमभ्यरन्तु MBh. 4,161. यः कृत्स्नामटवीमेतो

पर्यत्तस्थो ऽभिरन्ति KATHĀS. 29,135. 115,10. स्वगृहं तं कालं सो ऽभ्य-
रन्त MBh. 13,2306. HARIV. 8999. वसुधराम् — बाहुवीर्याभिरन्तिताम् R.

2,88,18. स्रव्यमूकः — शिशुनागाभिरन्तिः 3,76,28. KATHĀS. 39, 28. सख-
मिन्द्रो ऽभिरन्तु SUCR. 1, 17, 5. प्राणा ऽभ्ये ऽभिरन्तिताः BhĀG. P. 9,3,17.

ये ऽभ्यरन्तपुरातनी तस्य देवस्य मृष्टिम् MBh. 13,1375. यो ग्रह इवार्यम-
भिरन्ति BhĀG. P. 5,23,36. एष कल्पतरुः कस्य कृते ऽमेयो ऽभिरन्त्यते

gehey —, *gepflegt werden* KATHĀS. 90,21. यथा ब्रोजाङ्कुरः सूतमः परिपुष्टो
ऽभिरन्तिः Spr. 2316. आकारमभिरन्ते *bewahre* MBu. 1, 5616. 2, 2183.

आकारमभिरन्ती प्रतिज्ञा धर्मसंकिताम् 4,172. व्रतानि *beobachten* RV.
4,53,4. 7,83,9. 9,73,3. — Vgl. अभिरन्तिर्.

— अत्र *scheinbar in der Stelle*: रन्ते चापकृत्सेन पुरुषाः पुरुषैः सक्त ।
अन्त्येऽन्धमवरन्तो देशे देशे समैशुनाः ॥ MBu. 8,2115, wo aber wohl अत्र-
न्तो *begiessend, besudelnd* (mit Samen) zu lesen ist. Der bei der Um-
stellung erscheinende seltene Fuss — — — mag zur Erhaltung des
einfachen Schreibungsfählers beigetragen haben.

— अग्नि *behüten, beschützen, bewahren, bewachen*: आ मा मित्रावरुणेद्
रन्तम् RV. 7,30. 1. द्वाराणि पत्नैरारन्तानि MBu. 13,186. भरतारन्तिं
पुत्रराव्यम् R. 2,52,58. — Vgl. अरन्त fgg.

— उप s. उपरन्ताः प्रनि, ऽरन्ति Vop. 8,73.

— परि *bewachen, bewahren, beschützen, hüten, behüten, in Acht neh-*
men, erhalten, erretten, servare: प्रंसं रन्ते परि विञ्चतो गयम् RV. 5,44,
7. जिघत्सुभ्यं इमं मे परि रन्त AV. 8,2,20. परिरन्तेदिमाः प्रजाः (राजा) M.